वार्षिक खेल प्रतियोगिता 2015

शिक्षण गतिविधियों के साथ –साथ शारीरिक विकास के लिए व राष्ट्रीय व अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महाविद्यालय में सत्र प्रारम्भ के साथ ही क्रीडा प्रतियोगिताएं कराये जाने के विषय में बल दिया गया। इच्छुक छात्र–छात्राओं की इनकी रूचि को ध्यान में रखते हुए रिक्त कक्षाओं के समय उन्हें खेलने का पूर्ण अवसर प्रदान किया गया ताकि सत्र के अन्त में होने वाली प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर सके। जहाँ क्रीडा स्थल समतल नहीं था तथा खेल कराये जाने की स्थिति में नहीं था वहां सर्वप्रथम क्रीडा स्थल को समतलीकरण कराये जाने के उपरांत दिनांक 22 व 23 दिसम्बर को वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में क्रिकेट, बॉलीबॉल , बैडमिन्टन, डिस्कस, गोला फेंक, कबड्डी, 100 मी0 व 200 मी दौड तथा भाला भेंक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सफल प्रतियोगिता में से प्रथम व द्वितीय को सत्र समाप्ति के पूर्व सम्मानित व पुरस्कृत किये जाने की सम्भावना है। नये सिरे से अगले सत्र वार्षिक क्रीडा प्रतियोगिता को प्रशिक्षण देकर खेल की गुणवत्ता को बनाने का पूर्ण प्रयत्न किया जायेगा। इस सत्र में वार्षिक क्रीडा प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले सफल छात्र–छात्राओं का परिणाम इस प्रकार है। सर्वप्रथम 100 मी0 दौड बालिका वर्ग में लल्ली देवी यादव प्रथम और साधना देवी द्वितीय, 200 मी0 दौड में रीतू पाण्डेय प्रथम और साधना देवी द्वितीय, छात्र वर्ग में 100 मी0 दौड में अग्नेश प्रथम और प्रफुल्ल कुमार द्वितीय, 200 मी0 दौड में प्रफुल्ल कुमार प्रथम अनूप साहू द्वितीय रहे। गोला फेंक बालिका वर्ग में रीतू पाण्डेय प्रथम एवं साधाना देवी द्वितीय तथा बालक वर्ग में जितेन्द्र द्विवेदी प्रथम, गुलाब चन्द्र यादव द्वितीय रहे। भाला फेंक बालिका वर्ग में रीतू पाण्डेय प्रथम एवं लल्ली देवी द्वितीय तथा बालक वर्ग में जितेन्द्र द्विवेदी प्रथम, गुलाब चन्द्र यादव द्वितीय रहे। डिक्कस बालिका वर्ग में रेनू मिश्रा प्रथम एवं रीतू पाण्डेय द्वितीय तथा बालक वर्ग में जितेन्द्र द्विवेदी प्रथम एवं अनूप साहू द्वितीय रहे। बैडमिण्टन बालक वर्ग में जितेन्द्र द्विवेदी की टीम प्रथम तथा शशांक केशरवानी की टीम द्वितीय रही। बालिका वर्ग में रागिनी सेन, दीक्षा सोनी प्रथम और मोना देवी, अनुराधा त्रिपाठी द्वितीय रहे। कबड्डी बालिका वर्ग में लल्ली देवी की टीम को 14 अंक प्राप्त हुये वहीं रागिनी सेन की उपविजेता टीम को 10 अंक प्राप्त हुये। वॉलीवाल की टीम बराबर रही। सभी प्रतियोगिताएं एकलव्य महाविद्यालय, बांदा, के शारीरिक शिक्षक श्री कामता प्रसाद एवं उनके सहयोगी श्री इन्द्रेश कुमार तथा क्रीडा प्रभारी डॉ0 कुरील की देखरेख में सम्पन्न हुई। क्रिकेट बालक वर्ग में बी0ए0द्वितीय वर्ष की टीम ने टॉस जीता और फील्डिंग करने का निर्णय लिया। 15 ओवर का मैच हुआ जिसमें बी0ए0प्रथम वर्ष की टीम 14.5 ओवर में 96 रन बनाकर सिमट गयी। बी0ए0द्वितीय वर्ष की टीम ने 8.5 ओवर में 6 विकेट पर निर्धारित 97 का लक्ष्य प्राप्त कर मैच को चार विकेट से जीत लिया। मैन ऑफ द मैच बी0ए0द्वितीय वर्ष के शिवप्रताप सिंह हुये जिन्होंने कुल 44 रन बनाये और गेंदबाजी में 1 विकेट प्राप्त किया। प्रथम टीम के कप्तान प्रद्युम्न सिंह तथा द्वितीय टीम के कप्तान जितेन्द्र द्विवेदी रहे। मैच में अम्पायरिंग लवलेश जायसवाल एवं मनोज कुमार जाटव ने किया तथा कमेन्ट्री डॉ0 सन्तोष कुमार चतुर्वेदी ने किया। महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं ने बड़े ही उत्साह के साथ क्रीडा प्रतियोगिता में भाग लिया और देखा। इस प्रतियोगिता को सम्पन्न कराने में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ0 गांगेय मुखर्जी, डॉ0 सन्तोष कुमार चतुर्वेदी, डॉ0 मुरली मनोहर द्विवेदी तथा स्वयं प्राचार्य डॉ0 आर0के0शर्मा ने पूरा समय देकर प्रतियोगिता को सफल बनाने में पूरा सहयोग प्रदान किया। इस दौरान महाविद्यालय के प्रा0 हिमांगी त्रिपाठी, अरविन्द कुमार यादव, बालकृष्ण, हिमांशु जाटव, रामेश्वर प्रसाद, राकेश कुमार, राजेन्द्र प्रताप यादव, हरी प्रसाद एवं समाज सेवी कामता प्रसाद जाटव ने भी अपना सहयोग प्रदान किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना सत्र 2015–16

महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा शिक्षक दिवस, राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस, गांधी जयन्ती, यातायात माह नवम्बर की तिथियों में महाविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। मतदाता पंजीकरण अभियान की विशेष तिथियों 12 अप्रैल 2015, 17 मई 2015, 19 जुलाई 2015, 8 नवम्बर 2015 एवं दिसम्बर 2015 को इकाई द्वारा महाविद्यालय के साथ चयनित ग्राम ददरी में भी मतदाता पंजीकरण कराये जाने पर जनजागरूकता अभियान चलाया गया। इन्द्रधनुष मिशन के तहत 7–14 अप्रैल, 7–14 मई, 7–14 जून एवं 7–14 जुलाई तक तथा सत्र भर इसी क्रम में सात बीमारियों से लड़ने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाये गये कार्यक्रम के साथ स्वयं सेवक छात्र/छात्राओं ने इस कार्यक्रम में सहयोग प्रदान करने हेतु अपने–अपने गांव प्रेरित एवं निर्देशित किया गया। इसी तरह 'सघन पल्स पोलियो अभियान की तिथियों को जनमानस को प्रेरित करने का प्रयास किया गया।

समय–समय पर इन कार्यक्रमों के साथ महाविद्यालय में ऊर्जा संरक्षण, बिजली बचत, जल के उपयोग व संरक्षण, वृक्षारोपण, स्वच्छ भारत अभियान के तहत साफ–सफाई करने और नियत स्थान पर कूडा प्रबन्धन पर बल दिया गया। साथ ही यह प्रेरित किया गया कि हैण्डपम्प और नलकूप का पानी जिस स्थान पर गिरता है, वहां शोकता गड्ढा बनाया जाए। उस नम जमीन के पास पेड़–पौधे लगाने एवं संरक्षित करने एवं उनके महत्व के विषय में बताया गया इस आशय के साथ कि इस विचारधारा या सोच को समाज के साथ निश्चित रूप से शेयर करेंगे। ऐसा स्वयं सेवक छात्र–छात्राओं के द्वारा संकल्प लिया गया और इस बात पर बल दिया गया कि कम से कम एक वर्ष प्रत्येक व्यक्ति एक पेड़ अवश्य लगाये, उसमें पानी डाले और उसकी सुरक्षा का पूरा प्रबंध करें। सामान्य कार्यक्रम की तिथियों में 19.11.2015 राष्ट्रीय एकीकरण दिवस, 01.12.2015 विश्व एड्स दिवस, एवं 12.01.2016 को राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय एकीकरण, साम्प्रदायिक एकता सप्ताह 19–25 नवम्बर तक, महामारियों एवं बीमारियों से लड़ने जिसमें 'सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र' मऊ के चिकित्साधिकारी डॉ0 असलम अंसारी ने भाग लिया और छात्र–छात्राओं को स्वास्थ्य से सम्बन्धित विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर रा0से0यो0 के 5 छात्र–छात्राओं ने स्वैच्छिक रक्तदान किये जाने हेतु अपनी सहमति सहित प्राचार्य/कार्यक्रम अधिकारी के समक्ष अपना पंजीकरण कराया। दिनांक 25.01.2016 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर पूर्व की भांति मतदाता शपथ, रैली, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं नये मतदाताओं को मतदाता पहचान वितरित करने का कार्य किया जाना प्रस्तावित है। 18 से 24 फरवरी के मध्य रा0से0यो0 द्वारा चयनित एवं मलिन बस्ती सेसा सुबकरा में स्थित पू0मा0वि0 सेसा में सात दिवसीय विशेष शिविर के अवसर पर रा0से0यो0 इकाई द्वारा सुझाये गये कार्यों को सम्पन्न कराया जायेगा। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय क्षेत्र की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं से सम्बन्धित समस्याओं को समझने एवं निवारण हेतु आवश्यक उपायों एवं जागरूकता के सम्बन्ध में आम जनमानस को जागरूक किया जाता रहेगा। इन सभी कार्यक्रमों में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 आर0के0शर्मा, डॉ0 गांगेय मुखर्जी, डॉ0 एम0एम0द्विवेदी, डॉ0 संतोष चतुर्वेदी, प्रो0 हिमांगी त्रिपाठी एवं प्रो0 हिमांशु जाटव ने भी अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया। सभी सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों के पदाधिकारियों ने भी अपना सहयोग प्रदान किया है।

वाद-विवाद प्रतियोगिता

महामति प्राणनाथ महाविद्यालय मऊ, चित्रकूट में दिनांक 21 दिसंबर 2015 को वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता की सूचना एक सप्ताह पूर्व महाविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दी गयी थी। वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय था – 'क्या औद्योगिक प्रगति एवं मानव विकास ही जलवायु परिवर्तन का कारक है?' इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय के कुल छः छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया और प्रतियोगिता में अपने-अपने पक्ष प्रस्तुत किए। वाद-विवाद प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले छात्र-छात्राओं में रागिनी सेन (बी. ए. तृतीय वर्ष), श्वेता मिश्रा (बी. ए. तृतीय वर्ष), प्रियंका चतुर्वेदी (बी. ए. प्रथम वर्ष), प्रद्युम्न सिंह (बी. ए. प्रथम वर्ष), प्रियांशु जायसवाल (बी. ए. द्वितीय वर्ष), गुलाब चन्द्र यादव (बी. ए. द्वितीय वर्ष) । वाद-विवाद प्रतियोगिता के निर्णायकों में महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. गांगेय मुखर्जी और इतिहास विभाग के डॉ. संतोष कुमार चतुर्वेदी शामिल थे। प्रतियोगिता के समय महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक गण एवं प्राचार्य डॉ. रोहिताश्व कुमार शर्मा उपास्थित थे। पूरे कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं की अच्छी-खासी उपस्थिति बनी रही। कार्यक्रम के अन्त में परिणामों की घोषणा डॉ. गांगेय मुखर्जी ने की। डॉ. मुखर्जी ने इसी क्रम में छात्र-छात्रों को यह भी बताया कि इस तरह की प्रतियोगिता में कैसे और बेहतर तरीके से अपनी बातें प्रस्तुत की जा सकती हैं। वाद-विवाद प्रतियोगिता में बी. ए. तृतीय वर्ष की छात्रा रागिनी सेन को प्रथम, बी. ए. द्वितीय वर्ष के प्रियांशु जायसवाल को द्वितीय और बी. ए. द्वितीय वर्ष के ही गुलाब चन्द्र यादव को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

महामति प्राणनाथ महाविद्यालय के पुरा-छात्रों की बैठक

महामति प्राणनाथ महाविद्यालय मऊ, चित्रकूट के पुरा छात्रों के एक सम्मलेन का आयोजन दिनांक 24 दिसम्बर 2015 को महाविद्यालय परिसर में संपन्न हुआ जिसमें बड़ी संख्या में पुरा-छात्र छात्राओं ने भाग लिया। इस सम्मलेन में पुरा-छात्र छात्राओं ने महाविद्यालय के विकास कार्यों एवं शिक्षा व्यवस्था पर विशेष रूप से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि पिछले एक दशक में व्यापक बदलाव हुए हैं और उनके साथ ही महाविद्यालय की शिक्षा व्यवस्था लगातार बेहतर बनी हुई है। लेकिन आगे आने वाले समय में बेहतरी के और भी प्रयास किए जाने चाहिए। इस क्रम में महाविद्यालय में तकनीकी शिक्षा की व्यवस्था की जानी चाहिए। साथ ही कक्षाएं बढाने और उसकी पूर्ति के लिए स्टाफ को भी बढाया जाना चाहिए।

सम्मलेन में शामिल पुरा-छात्र छात्राओं ने यह भी कहा कि तमाम ऐसे विषय हैं जो महाविद्यालय में नहीं हैं उनके शिक्षण की व्यवस्था होनी चाहिए जिससे कि क्षेत्र के प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं को समुचित उच्च शिक्षा स्थानीय स्तर पर ही मिल सके। यह जिम्मेदारी महाविद्यालय प्रशासन की है। इस क्रम में पुरा-छात्र छात्राओं ने बी. एड., एम. ए., बी. एस-सी., बी. काम की कक्षाएं चालाये जाने की मांग भी की।

पर्यटन एवं प्रबंधन पाठ्यक्रम का एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण

26 दिसम्बर 2015 को महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. मुरली मनोहर द्विवेदी और पर्यटन एवं प्रबंधन पाठ्यक्रम के संयोजक डॉ सन्तोष कुमार चतुर्वेदी के नेतृत्व में पर्यटन एवं प्रबंधन पाठ्यक्रम के एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण के लिए स्थल के तौर पर चित्रकूट का चयन किया गया. स्थल का चयन करते वक्त हमने छात्राओं के मद्देनजर इस बात का ध्यान रखा कि यह भ्रमण सुबह के समय से शुरू हो कर शाम तक समाप्त हो जाए और इस भ्रमण से छात्र-छात्रों को पर्यटन से सम्बंधित विविध आयामों के बारे में जानकारियाँ प्राप्त हो सकें. चित्रकूट जाने के मार्ग में ही हम लालापुर स्थित 'वाल्मीकि आश्रम' गए. कहा जाता है कि महर्षि बाल्मीकि का यहीं पर आश्रम था. चित्रकूट भ्रमण के क्रम में हम सबसे पहले जगद्गुरु रामभद्राचार्य विकलांग विश्वविद्यालय गए जहाँ इतिहास विभाग के पुरातात्विक संग्रहालय में संरक्षित दुर्लभ पूरा-सामग्रियों और ललित कला विभाग में विश्वविद्यालय के विकलांग छात्र-छात्राओं द्वारा तैयार पेंटिंग्स, मूर्तियों और अन्य कला सामग्री का अवलोकन किया. इनके बारे में विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र कुमार उपाध्याय ने जानकारियाँ प्रदान कीं. विश्वविद्यालय के ललित कला विभाग के अध्यक्ष ने अपने विभाग में विकलांग छात्रों द्वारा बनाई गयी पेंटिंग्स के बारे में छात्र-छात्रों को बताया. अंत में हम सभी लोग विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफ़ेसर योगेश जी से भी मिले. इसके बाद हमने चित्रकूट के धार्मिक स्थलों के क्रम में राम-दर्शन, मानस मंदिर, गुप्त गोदावरी का भ्रमण किया. 'राम-दर्शन' में राम के जीवन से जुड़े विविध प्रसंगों को श्रव्य-दृश्य माध्यम से बड़े मनोहारी अंदाज में दर्शाया गया था. 'मानस मंदिर' में राम के जीवन को तुलसी के मानस के प्रसंग में देखने-दिखाने का प्रयास किया गया है. अंत में हम ऐतिहासिक स्थल 'औरंगजेब के मंदिर' और 'गणेश बाग़' भी गए. औरंगजेब के मंदिर में औरंगजेब का एक फारसी में लिखा अभिलेख मिलता है जिसमें इस मुग़ल बादशाह द्वारा मंदिर को दिए गए अनुदान के बारे में पता चलता है. 'गणेश बाग़' का निर्माण खजुराहों के

तर्ज पर करने की मराठों की कोशिश को स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है. इन सभी स्थलों के बारे में प्राध्यापकों के द्वारा छात्र-छात्रों को संदर्भित जानकारियाँ भी प्रदान की गयीं. भ्रमण से लौटते हुए हम रैपुरा में स्थित गुनता बाँध को भी देखने गए. जहाँ दो पहाडी नदियाँ आ कर मिलती हैं. इसके पानी को बाँध द्वारा रोका गया है जिसे नहरों के माध्यम से सिंचाई के लिए उपलब्ध कराया जाता है. अन्ततः मऊ पहुँचने के साथ ही इस भ्रमण का समापन हो गया.